11 रोहित शर्मा की सलाह...

अमर भारती

AMAR BHARTI GROUP OF PUBLICATION

स्कूल आफ मैंनेजमेंट साइंसेज ने दिया ऑनलाइन प्रशिक्षण

उमेश यादव/ रामसरन मौर्या

बाराबंकी। कोरोना संक्रमण से बचने के लिये प्रधानमंत्री के 21- दिन के लाकडाउन के आह्वाहन तथा अब्दुल कलाम तकनीकी विश्व-विद्यालय के द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशो के अनुसार वर्तमान शैक्षणिक सत्र का पठन-पाठन का कार्य आन-लाइन माध्यम तथा वर्क टू होम द्वारा कराया जा रहा है। स्कूल आफमैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ के सचिव व मुख्य-कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण (कोविड-19) वैश्विक महामारी की रोक-थाम में उनका संस्थान अग्रणी भूमिका निभा रहा है।स्कूल ऑफमैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ के महानिदेशक प्रो. भरत राज सिंह ने बताया कि राष्ट्रहित व छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुये, सभी क्लॉसेज को समय सारिणी के अनुसार प्रत्येक अध्यापकों द्वारा लेक्चर व नोट को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से तथा यूटूब से सीधे लेक्चर प्रसारण (वीडीओ) कराया जा रहा है।जिसकी मानिटरिंग डा. सिंह स्वयं तथा डीन डा. धर्मेन्द्र सिह द्वारा किया जा रहा हैं।

इनका मानना है कि शिक्षक बच्चों को कुम्हार की भाँति गढ़ता है और वांछित स्वरूप प्रदान करता है। इसलिये गुरू के दायित्व के निर्वहन में सभी शिक्षकों सें बेहतर तरीके से लेक्चर तैयार कराया जा रहा है।

शिक्षा बिना बोझ के हो

स्कूल ऑफ मैंनेजमेंट साईसेज लखनऊ महानिदेशक तकनीकी व वरिष्ठ पर्यावरणविद डॉ0 भरत राज सिंह इस समय शोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में लगे हुए है।उन्होंने अपनें फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से यह अपील कर रहे है कि इस समय वर्तमान परिस्थितियों में छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो इसके लिये तकनीकी का प्रयोग करके ऑन लाइन तरीकों जैसे व्हाट्सएप ग्रुप व यूट्यूब के तरीकों को अपनाकर शिक्षण जारी रखना बहुत जरूरी है।उनका मानना है कि शिक्षा की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा बिना बोझ के हो और उसकी प्रासंगिकता बनी रहे।इसके लिये शिक्षकों की तैयारी व गुणवत्ता परख की जा रही है।शिक्षण कार्यक्रमों में छात्रों में स्व-शिक्षण और स्वतंत्र चिंतन की क्षमता के विकास तथा बच्चे में जिज्ञासा को बनाए रखने हेतु भी जोर दिया जा रहा है, जिससे उन्हें अपने विचार रखने का अवसर भी प्रदान हो।आज की वैश्विक महामारी की जटिल परिस्थितियों में, शिक्षकों की भूमिका कहीं अधिक उत्तरदायित्वपूर्ण व महत्वपूर्ण हो गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में, शिक्षक व शिक्षा को अधिक कारगर बनाने हेतु प्रबंधन द्वारा शिक्षकों को उत्साहित भी किया जा रहा है। इसमें अब्दुल कलाम तकनीकी विश्व-विद्यालय की भूमिका सराहनीय है।जिनके द्वारा अपेक्षित सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों व चरित्र के विकास में समय-समय पर शिक्षण के तरीकों पर जोर देने हेतु दिशा-निर्देश दिये जा रहे है।उपरोक्त क्रम में इंजीनियरिंग शिक्षा में कई शिक्षकों द्वारा आईसीटी टूल्स का विशेष उपयोग किया जा रहा है। जिनके लेक्चर को विश्व-विद्यालय के वेव-साइट पर लगवाने हेतु अनुरोध किया जा रहा है। किसी भी क्षेत्र में सुधार की यह एक सतत प्रक्रिया है।अतः इंजीनियरिंग शिक्षण क्षेत्र में रोजगारपरक बेहतर शिक्षा देने व योग्य इंजीनियर बनाने में शिक्षक, प्रबंधन और विश्व-विद्यालय के समन्वय व आधुनिकतम टूल्स उपलब्ध कराने की अधिक आवश्यकता है ।